कराकोरम-2026: चीन-पाकिस्तान सैन्य एकीकरण की नई सीढ़ी - भारत के लिए मायने



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

चीन और पाकिस्तान ने **14-22 अक्टूबर 2026** को शिनजियांग उयगुर स्वायत्त क्षेत्र में **"कराकोरम-2026"** संयुक्त सैन्य अभ्यास किया - दोनों देशों की **रेगुलर आर्मी फ़ॉर्मेशन** के बीच **पहला जॉइंट-आर्मी स्तरीय अभ्यास**। इंडियन एक्सप्रेस के विश्लेषण (मेजर-जनरल (रि.) जी.जी. द्विवेदी) के अनुसार द्विपक्षीय सैन्य सहयोग अब ख़रीददार-आपूर्तिकर्ता रिश्ते से आगे बढ़कर **कार्यात्मक एकीकरण और इंटरऑपरेबिलिटी** की ओर जा रहा है - जो भारत की उत्तरी सीमा की सुरक्षा-चुनौती को गहराता है।

अभ्यास की खासियत

- **स्थान और दायरा:** शिनजियांग - जो जम्मू-कश्मीर और लद्दाख से सटा है; ऊँचाई वाले कठिन इलाक़े के ऑपरेशन पर फ़ोकस - PLA के **वेस्टर्न थिएटर कमांड** (भारत-सीमा की देखरेख) के अनुरूप।
- **दो चरण:** 19 अक्टूबर तक चरण-1 - विशेष रणनीति, क्लोज़-क्वार्टर कॉम्बैट, **ड्रोन ऑपरेशन**; चरण-2 - संयुक्त कमान, मिश्रित फ़ॉर्मेशन, आतंकवाद-विरोधी क्लीयरेंस, संयुक्त युद्धाभ्यास और समन्वित फ़ायर ड्रिल।
- **उपकरण:** पूरी तरह चीनी - स्मॉल आर्म्स, आर्मर्ड असॉल्ट वाहन, इन्फेंट्री फ़ाइटिंग व्हीकल, आर्टिलरी, ड्रोन और एंटी-ड्रोन प्रणालियाँ।
- **शृंखला का विस्तार:** पहले के Sea Guardian (नौसैनिक), Shaheen (वायु) और Warrior (संयुक्त आतंकवाद-विरोधी) अभ्यासों से आगे - अब सेना स्तर तक। इससे पहले गिलगिट-बाल्टिस्तान के ऊपरी हुंज़ा में **मंतिका दर्रे (4,700 मी)** पर संयुक्त गश्त भी हो चुकी है।

चीन-पाकिस्तान गठजोड़ के स्तंभ

- **जड़ें:** 1963 की सीमा-संधि - पाकिस्तान ने **शक्सगाम घाटी** (गिलगिट-बाल्टिस्तान का भाग) चीन को दी; तब से रणनीतिक संरेखण।
- **हथियार-आपूर्ति:** पाकिस्तान के आयातित सैन्य हार्डवेयर का लगभग **70-80% चीनी** - J-10C/JF-17 लड़ाकू, Type 054 A/P फ्रिगेट, हांगोर-श्रेणी पनडुब्बियाँ, HQ-9/16/17 एयर-डिफ़ेंस, Wing Loong ड्रोन।
- **सह-उत्पादन:** JF-17, अल-खालिद टैंक, मिसाइलें, नौसैनिक प्लेटफ़ॉर्म - पाकिस्तान को तकनीक, चीन को डिफ़ेंस-उद्योग का विस्तार।
- **सूचना-अंतरिक्ष:** इंटेलिजेंस साझाकरण, BeiDou नेविगेशन, "China-Pakistan Information Corridor"।
- **इन्फ्रास्ट्रक्चर:** CPEC और ग्वादर बंदरगाह (BRI)।
- **ऑपरेशन सिंदूर (मई 2025):** संकट के दौरान चीन ने PL-15E एयर-टू-एयर मिसाइल, एयर-डिफ़ेंस और इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफ़ॉर्म की डिलिवरी तेज़ की - ISPR DG लेफ्टिनेंट जनरल ए.एस. चौधरी ने दावा किया कि चार-दिवसीय संघर्ष में चीनी हथियारों ने "बेहद अच्छा प्रदर्शन" किया।

- **नया आयाम - बांग्लादेश:** सरकार-बदलाव के बाद ढाका J-10CE ख़रीद की योजना बना रहा है; पायलटों को पाकिस्तान जेसोर एयरबेस (सिलीगुड़ी कॉरिडोर के पास) पर प्रशिक्षित करेगा।
- **पैनने की सूचना:** खुफ़िया रिपोर्टों के अनुसार पाकिस्तानी अधिकारी PLA की वेस्टर्न थिएटर कमांड और CMC के जॉइंट स्टाफ़ विभाग में भी तैनात हैं।

भारत के लिए मायने

- **दो-मोर्चा चुनौती का एकीकरण:** अब सवाल दो विरोधी पड़ोसियों का अलग-अलग नहीं, **अभिसरणशील (converging) क्षमताओं** का है - मिश्रित फ़ॉर्मेशन की संयुक्त ट्रेनिंग, चीनी प्लेटफ़ॉर्म का पाकिस्तानी इन्वेंटरी में एकीकरण, शिनजियांग-कराकोरम क्षेत्र में बढ़ती सैन्य मौजूदगी।
- **GS-III सुरक्षा:** सीमा-सुरक्षा, द्विपक्षीय गठबंधन-विश्लेषण और रणनीतिक तैयारी का लाइव केस-स्टडी; भारत को "सुसंगत राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति" चाहिए।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1: कराकोरम-2026 संयुक्त अभ्यास कहाँ आयोजित हुआ?

(a) तिब्बत

(b) शिनजियांग

(c) गिलगिट-बाल्टिस्तान

(d) सिचुआन

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (b) शिनजियांग उयगुर स्वायत्त क्षेत्र में - जो जम्मू-कश्मीर और लद्दाख से सटा है; PLA वेस्टर्न थिएटर कमांड क्षेत्र।

प्रश्न 2: 1963 की चीन-पाकिस्तान सीमा-संधि के तहत पाकिस्तान ने चीन को कौन-सा क्षेत्र सौंपा?

(a) अक्साई चिन

(b) शक्सगाम घाटी

(c) हुंज़ा घाटी

(d) सियाचिन

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (b) शक्सगाम घाटी (गिलगिट-बाल्टिस्तान का भाग) - रणनीतिक गठजोड़ की नींव; भारत इसे अवैध मानता है।

मेन्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न: "चीन-पाकिस्तान सैन्य सहयोग ख़रीददार-आपूर्तिकर्ता रिश्ते से रणनीतिक एकीकरण की ओर बढ़ रहा है।" कराकोरम-2026 के संदर्भ में इस कथन का विश्लेषण कीजिए और भारत की रणनीतिक विकल्पों पर चर्चा कीजिए। (250 शब्द)

रूपरेखा: भूमिका - पहला आर्मी-स्तरीय अभ्यास; एकीकरण के प्रमाण - संयुक्त कमान, उपकरण-मानकीकरण, गश्त, पैनने; गठजोड़ के स्तंभ - हथियार, CPEC, सूचना; भारत के लिए - दो-मोर्चा अभिसरण; विकल्प - उत्तरी सीमा आधुनिकीकरण, निगरानी-क्षमता, कूटनीति; निष्कर्ष - सुसंगत राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति।

FAQ

संक्षिप्त उत्तर: कराकोरम-2026 (14-22 अक्टूबर, शिनजियांग) चीन-पाकिस्तान का पहला जॉइंट-आर्मी अभ्यास था - ड्रोन-युद्ध, संयुक्त कमान और मिश्रित फ़ॉर्मेशन पर फ़ोकस। यह दोनों के सैन्य एकीकरण का संकेत है, जो भारत के लिए दो-मोर्चा चुनौती को और गंभीर बनाता है।

प्रश्न: कराकोरम-2026 पहले अभ्यासों से कैसे अलग है?

यह पहली बार है जब दोनों देशों की रेगुलर आर्मी फ़ॉर्मेशन ने आर्मी-स्तरीय अभ्यास किया - पहले सहयोग नौसैनिक (Sea Guardian), वायु (Shaheen) और आतंकवाद-विरोधी (Warrior) शृंखला तक सीमित था।

प्रश्न: चीन पाकिस्तान को किस स्तर तक हथियार देता है?

पाकिस्तान के आयातित सैन्य हार्डवेयर का लगभग 70-80% चीनी है - J-10C/JF-17 लड़ाकू विमान, फ्रिगेट, पनडुब्बियाँ, एयर-डिफ़ेंस प्रणालियाँ और ड्रोन; सह-उत्पादन भी व्यापक है।

प्रश्न: भारत को क्या करना चाहिए?

विश्लेषकों के अनुसार भारत को चीन-पाकिस्तान सैन्य रिश्ते को एकीकृत दो-मोर्चा चुनौती के रूप में देखना होगा - उत्तरी सीमा पर निगरानी, आधुनिकीकरण और सुसंगत राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति के साथ।

स्रोत

- इंडियन एक्सप्रेस Explained (11/15 नवंबर 2026): Karakoram-2026 - चीन-पाकिस्तान सैन्य साझेदारी और भारत के लिए मायने
- SCMP: आतंकी ख़तरे के बीच बीजिंग का कॉरिडोर-सुरक्षा बढ़ाने का प्रस्ताव
- टिप्पणी: अभ्यास-विवरण IE विश्लेषण (लेखक: मेजर-जनरल (रि.) जी.जी. द्विवेदी) पर आधारित; चीनी रक्षा मंत्रालय के मूल बयान स्वतंत्र रूप से सत्यापित नहीं